Dainik Bhaskar (Indore), 01st May 2011

अनूठी पहल

आईआईटी प्रबंधन ने अपने नए लैंडयूज प्लान में तैयार किया प्रस्ताव

बचेंगे साढ़े छह हजार पेड़, लगेंगे 20 हजार

भास्कर संवाददाता. इंदौर

आईआईटी इंदौर ने अपने परिसर में कटने वाले 6500 पेड़ों को बचाने की योजना बनाई है। इतना ही नहीं परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए 20 हजार नए पेड़ भी लगाए जाएंगे। इसके बाद आईआईटी इंदौर पर छाए संकट के बादल भी छंट जाने की उम्मीद है।

आईआईटी प्रबंधन ने यह प्रस्ताव नए लैंडयूज प्लान में तैयार किया है। नई योजना के मुताबिक अब परिसर के 7600 पेड़ों में से सिर्फ 11 सौ पेड़ ही काटने पड़ेंगे। साथ ही उसके बदले 20 हजार नए पेड़ लगाने की भी योजना है।

वन विभाग को भेजा नया प्लान- आईआईटी प्रबंधन ने शनिवार को वन विभाग को नए परिसर के लिए अपना लैंडयूज प्लान बनाकर भेज दिया है। इससे पहले पर्यावरण मंत्रालय की आपत्ति के बाद सिमरोल में आईआईटी भवन की योजना खटाई में पड़ गई थी।

दरअसल 2012 तक आईआईटी के नए परिसर का काम पूरा होना था। राज्य शासन ने इसके लिए केंद्र को पत्र लिखकर 500 में से लगभग 200 एकड़ वन भूमि आईआईटी के लिए मुक्त करने की अनुमति मांगी थी। विशेषाधिकार प्राप्त वन सलाहकार समिति ने इस पर असहमति जताई थी।

1100 पेड़ ही कटेंगे

आईआईटी प्रबंधन से हमें नया लैंडयूज प्लान मिल गया है। इसके तहत सिर्फ 1100 पेड़ ही काटे जाएंगे जबकि उनके बदले 20 हजार नए पेड़ लगाने की योजना है।

पी.सी. दुबे, सीसीएफ

परिसर रहेगा हरा-भरा

7600 पेड़ काटे जाने थे

1100 अब कटेंगे

6500 सुरक्षित बचेंगे

20 हजार नए लगेंगे

2009 में हुआ था शिलान्यास

17 फरवरी 2009 को केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रहे अर्जुन सिंह आईआईटी इंदौर का शिलान्यास किया था। तब से ही आईआईटी भवन का मामला उलझा हुआ था। जून 2012 में आईआईटी का यूनिवर्सिटी के आईईटी के साथ हुआ समझौता खत्म हो जाएगा।